

मदर टेरेसा की सेवा का कोई पर्याय नहीं है - राज्यपाल

दिनांक: 25 सितम्बर, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज सेंट फ्रांसिस कालेज में मदर टेरेसा को संत का दर्जा दिये जाने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीयों के लिए यह अभिमान की बात है कि मदर टेरेसा को संत का दर्जा प्रदान किया गया। मदर टेरेसा की मानवता की सेवा को देखते हुए 1980 में उन्हें भारत का 'सर्वोच्च सम्मान' भारत रत्न प्रदान किया गया था। यह हमारे देश की विशेषता है कि देश द्वारा मदर टेरेसा, खान अब्दुल गफ्फार खान व नेल्सन मण्डेला को भारत का सर्वोच्च सम्मान दिया गया। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान में सर्वधर्म समभाव की तथा भारतीय संस्कृति में वसुधैव कुटुम्बकम् की विशेषता है।

श्री नाईक ने कहा कि मदर टेरेसा की सेवा का कोई पर्याय नहीं है। मदर टेरेसा ने निर्बलों, वृद्धों एवं कुष्ठ पीड़ितों की जिस प्रकार सेवा की, वह अतुलनीय है। कुष्ठ पीड़ितों से लोग अमानवीय व्यवहार करते हैं जबकि विज्ञान ने यह सिद्ध कर दिया है कि कुष्ठ रोग का इलाज भी संभव है तथा यह संक्रामक भी नहीं है। देश में कुष्ठ रोग से जुड़े 19 ऐसे कानून हैं जिन्हें बदलने की जरूरत है। मदर टेरेसा जैसे लोगों को प्रोत्साहन देना समाज का कर्तव्य है, क्योंकि इससे दूसरों को सेवा करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि हमें संकल्प लेने की जरूरत है कि जो राह मदर टेरेसा ने दिखाई उस पर चलते हुए पीड़ित मानवता के समाधान के लिए काम करें।

राज्यपाल ने इस अवसर पर मदर टेरेसा से जुड़े 'भैर्या जी' को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में फादर राबर्ट पिन्टो की पुस्तक 'स्परिचुअलिटी आफ मदर टेरेसा' का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में बिशप डॉ० जेराल्ड मैथाइज एवं सिस्टर एंथिया ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर पूर्व सांसद श्री लालजी टण्डन, पूर्व मंत्री डॉ० अम्मार रिजवी, विधायक श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी सहित बड़ी संख्या में विशिष्टजन उपस्थित थे।

अंजुम/ललित/राजभवन (352/44)

